Source StylesFormat

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

CRITERION -3

Metrics: 3.3.3

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

Criterion 3.3.3. and 3.3.2.1

S. No.	Name of Supporting Documents	Page No.
1.	**3.3.2.1 - Total number of books and chapters in edited volumes/books published and papers in national/ international conference proceedings year wise during year**	1-50

ISSN 2277-8063
Impact factor - 6.013

Navjyot
नवज्योत
A Quarterly Interdisciplinary Research Journal of Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management.
(A High Impact Factor, Quarterly, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)
Published by - HOUSA Publication, Kolhapur
E-mail: editornavjyot@gmail.com
editor@navjyot.net
www.navjyot.net

Copyright Agreement

COPYRIGHT AGREEMENT In order to publish your article we need your agreement in written format. Please complete and sign the form and send it along with the final version of your manuscript. It is required to obtain copyrights for papers published in the journal so as to index them to various repositories.

Title of paper: "आजादी की लड़ाई में संथालों की भूमिका"

Author(s): डॉ० सी. पी. गुप्ता, सहायक प्राध्यापक इतिहास
प्रॉ० धर्मेन्द्र कुमार कोरी, सहायक प्राध्यापक हिन्दी

The undersigned hereby transfer any and all rights in and to the paper including without limitation all copyrights to the *NAVJYOT INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL*. The undersigned hereby represents and warrants that the paper is original and that he/she is the author of the paper, except for material that is clearly identified as to its original source, with permission notices from the copyright owners where required. The undersigned represents that he/she has the power and authority to make and execute this agreement.

Publishers/ Editor have full rights to submit a copy of their published papers to all open access repositories. They can self-archive both their original and/or journal published versions.

This agreement is to be signed by at least one of the authors who have obtained the consent of the co-author(s) where applicable.

Author name : डॉ. सी. पी. गुप्ता, सहायक प्राध्यापक इतिहास
प्रॉ. धर्मेन्द्र कुमार कोरी, सहायक प्राध्यापक हिन्दी

College Name : स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा (म.प्र.)

Author Signature:

Send to editornavjyot@gmail.com

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(A High Impact Factor, Quarterly, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)
Navjyot / Vol. XI / Issue – III ISSN 2277-8063

CONTENT

Sr. No.	Subject	Title	Author	Page No.
1	History	Exploration of Tribal Heritage through the study of select Tribal Festivals	Dr. Sister Celine Crasta A.C. Mrs. Shreya Singh	1-4
2	इतिहास	मध्यप्रदेश में सहरिया जनजाति को विशेष संरक्षण	डॉ. प्रभा भिरोरिया	5-8
3	अर्थशास्त्र	मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों के रहन सहन एवं रीति-रिवाज एक सामान्य अध्ययन	डॉ.निर्मला डांगी डॉ.रश्मि सिंह	9-12
4	अर्थशास्त्र	मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय हस्तशिल्प उद्योग	डॉ.खुदैजा परवीन अंसारी	13-17
5	इतिहास	प्रमुख जनजाति आदिवासी आंदोलन और विद्रोह	डॉ. कल्पी साहू	18-21
6	इतिहास	बिरसा मुण्डा आंदोलन	डॉ मुकेश कुमार ठाकुर	22-26
7	नृत्य	मध्यप्रदेश के लोक नृत्य एवं कथक नृत्य का तुलनात्मक अध्ययन	नेहा विश्वकर्मा	27-29
8	इतिहास	बैगा जनजाति में ''गोदना'' शिल्प एवं परम्पराएं	डॉ राकेश चंदेल	30-32
9	गृहविज्ञान	मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के आदिवासी: एक विस्तृत अध्ययन	डॉ. दीपिका सेठ	33-38
10	इतिहास	जनजातीय महिलाओं की सामाजिक दशा	श्रीमती सानू जैन	39-42
11	History	Affirmation and Felicitation of Femininity Through Indian Tribal Festivals: An Overview	Dr. Divya Kumar	43-49
12	इतिहास	आजादी की लड़ाई में संथालों की भूमिका	डॉ सी. पी. गुप्ता, डॉ धर्मेंद्र कांगे	50-54
13	इतिहास	जनजातीय धार्मिक अनुष्ठान एवं देवलोक की अवधारणा (गोंड जनजाति के विशेष संदर्भ में)	डॉ धीरा शाह	55-59
14	इतिहास	श्योपुर जिले की सहरिया जनजाति के देवलोक	डॉ खेमराज आर्य	60-64
15	हिंदी	आदिवासियों का शोषण पलायन एवं जागरण : डॉ. पद्मा शर्मा की कहानियों के विशेष संदर्भ में	श्रीमती प्रियंका राजपूत	65-67
16	इतिहास	मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा	डॉ.भारती शर्मा	68-71
17	वाणिज्य	मध्यप्रदेश में सहरिया जनजाति : एक विस्तृत अध्ययन	डॉ.दीप्ती अग्रवाल श्रीमती शर्मिला मीणा	72-76
18	संस्कृत	धार्मिक प्रभाव एवं परिवर्तन : मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों के संदर्भ में	डॉ.स्वर्णलता तिवारी	77-79
19	इतिहास	आजादी का अमृत महोत्सव - स्वतंत्रता संघर्ष में जनजातियों की भूमिका	श्रीमती मनीषा यादव	80-81
20	राजनीति विज्ञान	आजादी के बाद का परिदृश्य एवं जनजातियों का राजनीतिक विकास	डॉ.सरिता नेमा	82-84
21	History	Adivasi Women: Resisting Colonialism and Patriarchy	Dr. Sunita Sharma	85-92
22	इतिहास	मध्यप्रदेश की सहरिया जनजाति – संक्षिप्त अध्ययन	डॉ.शालिनी गुप्ता	93-95
23	राज्यशास्त्र	स्त्री हक्काची चळवळ आणि राजकीय प्रक्रियेतील सहभाग	प्रा.डॉ. कुंदन डी. पिल्लेवान	96-98
24	इतिहास	होलार समाजाचे मूळ उगमस्थान : एक चिकित्सक परीक्षण	श्री. उमाकांत आण्णाप्पा हत्तीकट	99-104
25	Economics	Why The Rupee is Under Pressure? It's Impact on India Economy	Prof. Arun Bhavsing Chavhan	105-108

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(A High Impact Factor, Quarterly, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)

NAVJYOT / Vol. XI / Issue – III ISSN 2277-8063

आजादी की लड़ाई में संथालों की भूमिका

डॉ. सी. पी. गुप्ता, सहायक प्राध्यापक (इतिहास)
स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा–461331, मध्यप्रदेश
मोबाइल न. 7974824118 Email-chandrapal.gupta@yahoo.com
डॉ.धर्मेंद्र कोरी, प्राध्यापक (हिंदी) स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
हरदा–461331, मध्यप्रदेश मोबाइल न. 9340402100

वास्तव में ना केवल मनुष्य बल्कि संसार के सभी जीव–जगत और वनस्पतियों को भी आजादी पसंद होती है। आजादी के बिना कोई भी मनुष्य या जीव–जगत अपने जीवन का सर्वांगीण और सतत विकास नहीं कर सकता। इसके साथ ही दूसरा सच यह भी है कि मनुष्य स्वभाव से ही वर्चस्ववादी और शोषणकारी होता है, जिसके लिए वह सतत नीतियां, षड्यंत्र और रणनीतियां भी बनाता रहता है। प्लासी युद्ध के 100 वर्षों के अंदर ब्रिटिश औपनिवेशिक साम्राज्य तथा उसके द्वारा प्रयोगात्मक विधि के क्रियान्वयन से समाज के विभिन्न वर्गों, समुदायों तथा क्षेत्रों में असंतोष के स्वर आंदोलन, विद्रोह और सैनिक विप्लव के रूप में प्रस्फुटित होते रहे हैं। इन विद्रोहों के पीछे अन्य अनेक कारण भी अंतर्निहित थे जैसे कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में हस्तक्षेप, नवीन प्रशासनिक नीतियां, करारोपण, स्थानीय अर्थव्यवस्था का ध्वस्त होना, भारत में औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार स्थाई समाज और भू–राजस्व प्राप्त करने के उद्देश्य से जंगलों को काट कर कृषि भूमि का विस्तार कर रही थी। अंग्रेजों का साथ देकर स्थानीय जमींदारों ने जंगली भूमि को कृषि भूमि में बदलकर धान की खेती करवाना प्रारंभ कर दिया था। इस नीति के पीछे अंग्रेजों का उद्देश्य था कि वे अपने देश की आवश्यकता के मुताबिक कृषि उत्पादों का अधिकाधिक उत्पादन करा के उसे भारत से ब्रिटेन निर्यात कर सकें।

जंगलों में रहने वाले भारत के मूलनिवासी इसे अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और शोषण के रूप में देख रहे थे, जबकि तथाकथित सभ्य अंग्रेज भारत के सभी वनवासियों को क्रूर, असभ्य, उग्र, बर्बर एवं असामाजिक मानते थे। जिन्हें स्थाई रूप से बसाकर उन्हें सभ्य एवं पालतू बनाया जाना प्रस्तावित था, क्योंकि असभ्यों को सभ्य बनाने का भार मानो गोरी चमड़ी को उनके ईश्वर ने ठेके पर उपलब्ध कराया था।

1757 ई. की प्लासी की लड़ाई में औपनिवेशिक किरंगी सत्ता की स्थापना की नींव पड़ने से लेकर 15 अगस्त 1947 ई. तक के काल का अवलोकन करने से यह स्पष्ट हो जाता है, कि इस पूरे कालखंड के दौरान भारतीय किसी न किसी कारण से अंग्रेजों की सत्ता को सदैव चुनौती प्रस्तुत करते रहे हैं। चाहे वह 1770 के दशक का सन्यासी विद्रोह हो या फिर 18 फरवरी, 1946 का शाही नौसेना का विद्रोह अर्थात 190 वर्षों की गुलामी के दौर में भारतीय आजादी की लड़ाई में अपने–अपने क्षेत्रों एवं समुदायों के हितों की रक्षा हेतु, लड़े और हारे भी किंतु उन्होंने अपना कभी हौसला नहीं खोया और ना ही वे लड़ने से कभी पीछे हटे।

यहां एक और तथ्य पर विहंगम दृष्टि डालने पर ज्ञात होता है कि अंग्रेजों से भारत का कोई ना कोई वर्ग सदैव लड़ा और हारा किंतु उसने पीछे मुड़कर यह देखने की कोशिश नहीं की, कि आखिर चंद अंग्रेज इतने विशाल देश को गुलाम कैसे बनाए हुए हैं? यह एक यक्ष प्रश्न है! किंतु इसका सामान्य उत्तर है कि हमने अंग्रेजों का प्रतिरोध एक देश के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के रूप में सदैव किया है, तभी तो जब मराठे लड़ रहे थे तो सिख शांत थे, जब बुंदेला लड़ रहे थे तो गोंड उदासीन थे। हमारे देश का किसान, मजदूर, राजा, प्रजा, शिल्पी, व्यापारी, जागीरदार, संन्यासी, मुंडा, संथाल, भील, हो, अहोम, कोल और भी अनेक आदिवासी समुदाय अकेले लड़ते रहे और दूसरा केवल तमाशबीन बनकर अपने शोषण की इंतहा होने का इंतजार करता रहा और जब उसके शोषण की इंतहा हो गई तो वह लड़ा और फिर दूसरा तमाशबीन की भूमिका में आ गया। आखिरकार जब गांधी जी ने संपूर्ण देश को एकता के सूत्र में पिरोया तो फिर अंग्रेजों को देश से बाहर जाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नजर नहीं आया।

भारत में अंग्रेजों ने अपनी राजनीतिक सत्ता की स्थापना हेतु विजयी यात्रा, 1757 ई. में प्लासी के युद्ध के साथ ही प्रारंभ कर दी थी, और उपनिवेशवादी व साम्राज्यवादी अश्वमेधी यज्ञ के अश्व को रोकने का जन जागरण तथा आक्रोश 1857 ई. की क्रांति के रूप में उभर कर सामने आया था, इसकी प्रकृति को लेकर इतिहासकारों में हमेशा ही मतभेद रहे हैं, और कुछ इतिहासकारों

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(19)

Swami Vivekananda

Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. Dr. Rashmi Singh

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

Swami Vivekanand Govt. P.G. College Harda has participated/Attended/Presented

a paper entitled नई शिक्षा नीति के अंतर्गत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध

Dr. Dheera Shah
Convener
World Bank (RUSA)

Shri Pradeep Gour
Chairman of Jan Bhagidari Samiti

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

Self attested
R. Singh

18

हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला - दमोह (म०प्र०) भारत

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व"

प्रायोजक - विश्व बैंक परियोजना, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश

प्रमाण-पत्र

क्रमांक- 10/2022/182

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/डॉ. रश्मि सिंह ने शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला- दमोह संस्था स्वामी विवेकानंद शास. स्ना. महा., हरदा के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक - १४-१५ अक्टूबर, २०२२ को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व" में अध्यक्षता/ बीज-वक्ता/ सारस्वत-वक्ता/ प्रतिभागी/ संचालक के रूप में सहभागिता की एवं विषय प्रतियोगी परीक्षाओं और रोज़गार में मातृभाषा का महत्त्व पर पोस्टर/शोध-पत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शा... महाविद्यालय
जिला ...

श्री सुधीर साहू

श्रीमती प्रियंका राजपूत
विभागाध्यक्ष

डॉ. संध्या पिम्पलापुरे
प्राचार्य

(20)

Mahamaya Govt. Degree, College Mahona

Lucknow (U.P.) India

Affiliated to University of Lucknow (U.P.)

National Seminar

on

Role of NEP -2020 in the Transformation of Higher Education

(Sponsored By: Department of Higher Education, U.P.)

19 March 2023

Certificate

This is to certify that

Prof./Dr./Mr. Ms. RASHMI SINGH

Designation ASSISTANT PROFESSOR

Department ECONOMICS

Institution SWAMI VIVEKANAND GOVT. P.G. COLLEGE HARDA

participated/presented a paper titled "NEP : 2020 की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ"

in the national seminar.

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला-हरदा (म.प्र.)

Dr. Binoy K. Singh
Convener

Dr. Surendra Kumar
Organizing Secretary

Prof. Shahla N. Qidwai
Principal Patron

मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियो के रहन सहन एवं रीती–रिवाज एक सामान्य अध्ययन

1.डॉ निर्मला डोंगरे 2 डॉ. रश्मि सिंह
सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा मध्यप्रदेश
Email –1- nirmaladongre02@gmail-com 2-rashmi9229@gmail-com

संक्षेपिका

मध्यप्रदेश में कुल 47 जनजातीयां पाई जाती है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में मध्यप्रदेश की प्रमुख पांच जनजाति जिसमें गोंड ,भील ,कोरकू , बैगा, तथा भारिया जनजाति के सामान्य रहन सहन तथा उनके रीती –रिवाजो के बारे में जानने का प्रयास किया गया है, ये जनजाति दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रो में निवास करती है, तथा इनकी जीविका उपार्जन का प्रमुख साधन वृषि एवं वनोपज है। सामान्यतः सभी जनजातियों का रहन सहन एवं रीति रिवाज लगभग समान है इन जनजातियों की प्रमुख विशेषता यह है की यह समूह में रहते है एवं संयुक्त परिवार प्रणाली को महत्व देते है।

मुख्य बिन्दू– जनजाति, गोंड ,भील ,कोरकू,बैगा, भारिया , रहन सहन एवं रीती– रिवाज

प्रस्तावना –

जनजाति अथवा आदिवासी समाज ऐसा मानव समूह है ,जो विकास के सोपन से सबसे निचले स्तर में है। शब्दकोष के अनुसार जनजाति एक सामाजिक समूह है ,जो प्रायः निश्चित भूभाग में निवास करती है। जिसकी अपनी भाषा ,बोली ,सभ्यता तथा सामाजिक संगठन होता है। सामान्यतः यह मन जाता है ,की जनजाति लोग समाज की मुख्य धरा से पृथक जंगलो में निवास करते है ।जिनजाति में भी अति पिछड़ी जनजाति है जिनमें साक्षरता का निम्न स्तर पाया जाता है। तथा खेती की पुरातन पद्धति का प्रयोग करता है। साथ ही दूरस्थ एवं दूरगामी क्षेत्रो में निवास करते है इन जनजातियो का संख्या प्रायःस्थिर है या घटती जा रही है । मध्यप्रदेश में कुल 47 जनजातीय पाई जाती है। मध्यप्रदेश में सर्वाधिक जनजाति संख्या अलीराजपुर जिले में है तथा सबसे कम सिंग जिले में पाई जाती है। जनजाति यह सामाजिक समुदाय है, जो राज्य के विकास के पूर्व अस्तित्व में था, या जो अब भी राज्य से बाहर है। जनजाति वास्तव में भारत के आदिवासियो के लिए इस्तेमाल होने वाला एक संवैधानिक पद है। भारत के संविधान मे अनुसूचित जनजाति पद का प्रयोग हुआ है। और इसके लिए विशेष प्रावधान लागू किये गए है।प्रस्तुत शोध अध्ययन मे मध्यप्रदेश की 5 प्रमुख जनजातियो जिसमें गोंड ,भील ,कोरकू ,भारिया तथा बैगा जनजातियो के सामान्य रहन सहन एवं रीती रिवाजो का सूक्ष्म अध्ययन किया गया ।

उद्देश्य –

1 मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों का अध्ययन करना ।
2 जनजातियों के रहन सहन एवं रीती– रिवाजो का अध्ययन करना
3 जनजाति के पिछड़े होने के कारणों का अध्ययन करना ।

गोंड जनजाति – गोंड मध्यप्रदेश की एक प्रमुख आदिम जनजाति है ।जिसका संबंध प्रकार द्रविड समूह से माना जाता है ।यह जनसंख्या की दृष्टि से भारत की सबसे बड़ी जनजाति है ।गोंड जनजाति मध्यप्रदेश के सभी जिलो में फैली हुई है, लेकिन नर्मदा के दोनो ओर विंध्य और सतपुड़ा के पहाड़ी क्षेत्रो में इनका अधिक संकेन्द्रण है। 2011 की जनगणना के अनुसार मध्यप्रदेश में इनकी जनसंख्या 50.93 लाख है। सर्वाधिक जनसंख्या 6.2 लाख छिंदवाड़ा में है ।

गोंड तेलगू भाषा के शब्द कोंड का अपभ्रंश माना जाता है । तेलगू में कोंड शब्द का अर्थ वन आच्छादित पर्वत है । इस प्रकार गोंडो को पर्वतवासी मनुष्य कहा जाता है । अलग –अलग अंचलो में रहने वाले गोंड कई उपशाखाओं के नाम से जाने जाते है । तथ भी इनके रहन –सहन में बहुत फर्क होता है । मंडला में गोंड बड़ी किसानी के साथ जुड़े होने के कारण राजगोंड कहलाते है । गोंड राजाओ तथा बड़ादेवकी गाथा गाने वाले परधान गोंड , एक जगह से दूसरी जगह डेरा डालकर नाचने –गाने वाले भिम्मा ,धोबा ,कोडला, भूता ,लोहा गलाने वाले अंगरिया कहलाते है।

शारीरिक विशेषता –गोंड जनजाति के लोगो का रंग काला ,सिर गोल तथा चेहरे पर कम बाल होते है इनका परिवार पितृसत्तात्मक होता है। स्त्रियों को आभूषण प्रिय होते है। तथा इनमें गोदने का प्रचलन पाया जाता है।

प्राचार्य
विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला–

...र वार्ता
...राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
...N 2349-7521, Impact Factor - 6.375
... XVIII, Issue - XII, October - 2022
MSME Reg. No. UDYAM-MP-49-0005021
"AKSHARWARTA" Monthly International Refereed Journal

8

मध्यप्रदेश की कोरकू जनजाति का सामान्य अध्ययन

डॉ. रश्मि सिंह
डॉ. निर्मला डोंगरे

1. सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा
2. सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा

सारांश - मध्य प्रदेश में विभिन्न जनजातियां पाई जाती है जिनमें से सर्वाधिक जनसंख्या गोंड एवं द्वितीय स्थान भील जनजाति का है यह कुल आदिवासी जनसंख्या का [illegible] प्रतिशत है तृतीय स्थान पर कोल जनजाति समूह को मध्य प्रदेश की तीसरी बड़ी जनजाति समूह माना जाता है कोल समूह की प्रमुख जनजाति कोरकू की जनजाति है । मध्यप्रदेश में कोरकू जनजाति की कुल जनसंख्या 7.31 लाख है।

प्रस्तुत शोध पत्र में मध्य प्रदेश की कोरकू जनजाति की सामाजिक [illegible] रहन-सहन एवं रीति-रिवाजों का आधुनिक परिवेश में अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना :- अनुसूचित जनजाति भारतीय संदर्भ में एक विशिष्ट [illegible] है। भारतीय समाज के प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक आदिम समूहों एवं वनवासियों का उल्लेख प्राप्त होता रहा है। वैदिक एवं उत्तरवैदिक काल तथा महाकाव्य काल में जनजातियों के नाम भी उल्लेखित है ।

आदिवासी का अर्थ - आदिवासी समाज [illegible] सामान्य भौगोलिक [illegible] सामान्य [illegible] की [illegible] से जुड़े समूह का [illegible] है जिसके [illegible] है।

मध्य प्रदेश में विभिन्न जनजातियां पाई जाती है जिनमें से सर्वाधिक जनसंख्या गोंड जनजाति की है एवं द्वितीय स्थान भील जनजाति का है यह कुल आदिवासी जनसंख्या का [illegible] प्रतिशत है तृतीय स्थान पर कोल जनजाति समूह को मध्य प्रदेश की तीसरी बड़ी जनजाति समूह माना जाता है कोल समूह की प्रमुख जनजाति कोरकू की जनजाति है । मध्यप्रदेश में कोरकू जनजाति की कुल जनसंख्या 7.31 लाख है। सतपुड़ा के मध्य भाग में कोरकू जनजाति [illegible] है। कोरकू की उपजाति [illegible] [illegible], बावरिया और कोरकू जनजाति की उपजाति है

उद्देश्य -

1. मध्यप्रदेश की कोरकू जनजाति का अध्ययन करना।
2. जनजातियों के रहन सहन एवं रीति- रिवाजों का अध्ययन करना
3. कोरकू जनजाति की समस्याओं का पता लगाना।
4. कोरकू जनजाति के पिछड़े होने के कारणों का पता लगाना।
5. उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करना।

अध्ययन का क्षेत्र - हरदा जिले को अध्ययन का क्षेत्र को चुना गया है अनुसूचित जाति (एससी) जनसंख्या 14.1 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) का 3.9 प्रतिशत है। प्रस्तुत अध्ययन मध्य प्रदेश के हरदा जिले के कोरकू समुदाय पर आधारित है।

कोरकू जनजाति का परिचय:- कोरकू जनजाति मध्य प्रदेश की आदिम जनजाति है। इस जाति के लोग सामान्यतः नर्मदा और ताप्ती नदी के किनारे बैतूल हरदा होशंगाबाद खरगोन जिले में रहते है। 'कोरकू' शब्द द्रविड़ भाषा के कोरक शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है- 'किनारा'। कोरकू का एक अन्य अर्थ मानव भी होता है।

मौवासी/महुआ - मौवासी और महुआ वर्ग अपराधिक पोतक है! बावरिया- बैतूल जिले के कोरकू आदिवासी बावरिया कहलाते हैं। रूमा- अमरावती जिले के कोरकू आदिवासी रूमा कहलाते है बन्दोरिया- पचमढ़ी क्षेत्र के रहने वाले कोरकू बंदोरिया कहलाते है।

रहन सहन - कोरकू जनजातियों का रहन-सहन साधारण होता है पुरुष सूती बंडी कुर्ता एवं धोती पहनते है महिलाएं रंग-बिरंगी धोती पहनती है कोरकू स्त्रियां चांदी पीतल कांसा आदि धातुओं के आभूषण एवं मोतियों की माला पहनती है कोरकू को शाकाहारी और मांसाहारी दोनों होते हैं मोटे अनाज [illegible] इनके प्रमुख भोजन है।

सामाजिक व्यवस्था - कोरकू समाज पितृसत्तात्मक [illegible] पर आधारित समाज है इनके [illegible] होते है राजकोरकू एवं पठारिया राजकोरकू सामाजिक दृष्टि से उच्च माने जाते है इनके अतिरिक्त चार अन्य [illegible], दुलारया और बोंदई पाए जाते है कोरकुओं में सगोत्र विवाह निषेध है [illegible] विधवा विवाह एवं [illegible] मूल्य का प्रचलन है। इस जनजाति में घर के बाहर सामाजिक निर्णय में महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम पाई जाती है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं मेहनत करने वाली, सहनशील, कर्मठ आदि होती है। इनमें जितनी स्वतंत्रता पुरुष को मिलती है उतनी ही स्वतंत्रता महिला को भी मिलती है।

[illegible], एकजुटता में विश्वास रखता है। प्रत्येक जनजाति अपनी सुरक्षा का प्रयास स्वतंत्र [illegible] संगठन के द्वारा करती है कोरकू जनजाति में न्याय व्यवस्था के लिए पंचों के माध्यम से विवादों का निपटारा किया जाता है गांव के अनुभवी एवं बुजुर्ग व्यक्तियों पंच के रूप में मान्य किया जाता है कोरकू समुदाय में निजित्व की जगह सामूहिकता की भावना देखने को मिलती है। आदिवासी समाज प्रकृति से जुड़े होने के कारण जंगलों में निवास करते है।

आदिवासी संस्कृति एवं धार्मिक जीवन:-जनजाति में धार्मिक विश्वास मौखिक रूप से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संचालित होते रहते है इस जनजाति में अलग से धार्मिक शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है यह

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला-हरदा (म.प्र.)

International Seminar

On

SOCIAL AND CULTURAL HERITAGE OF RAMAYAN

July 15-16, 2022

Organized by

Department of English and Foreign Languages

(Faculty of Humanities and Languages)

Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak (M.P.)

Sponsored by

Indian Council of Social Science Research, New Delhi

CERTIFICATE

This is to certify that Dr. /Mr. /Ms. ...Rakesh Singh Paraste, Harda College............... has participated in a **Two- Day International Seminar** on 'Social and Cultural Heritage of Ramayan' and delivered a key-note Address/ Plenary Talk/ presented a Research Paper entitled An Analytical Study in ...Ramayana: As a Rich Heritage and Its Impact on the Lives of and the Literature of Entire Humanity.

Prof. Krishna Singh
Co- Convenor
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Principal, Govt. Arts & Com. P. G. College HARDA (M.P.)

Prof. Abhilasha
Convenor & Dean
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Prof. Shri Prakash Mani Tripathi
Patron
Hon'ble Vice-Chancellor
IGNTU, Amarkantak

"33rd All India Congress of Zoology (AICZ)" and

NATIONAL SEMINAR

On

"Emerging Trends in Biological Sciences in the light of Environmental Degradation and Life Sustainability"

August 10-12, 2022

CERTIFICATE

This is to certify that Prof. /Dr. /Mr. /Ms. /.....Rakesh Singh Paraste.....has participated and presented oral/poster Research paper entitled ....."An Eco-critical Study to Amitav Ghosh's 'The Hungry Tide"......in the **"33rd All India Congress of Zoology (AICZ)"** and National Seminar on **"Emerging Trends in Biological Sciences in the Light of Environmental Degradation and Life Sustainability"** organized by the **Department of Zoology, Pandit S. N. Shukla University, Shahdol, Madhya Pradesh** in collaboration with the Zoological Society of India, from August 10 to 12, 2022.

Mukesh Kumar Tiwari Vice-Chancellor Pandit S.N.Shukla University	**B. N. Pandey** President Zoological Society of India	**Kamal Jaiswal** General Secretary Zoological Society of India	**Sangeeta Mashi** Organizing Secretary Pandit S.N.Shukla University

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
BARDA (M. P.) - 451 331

64

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

:Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. Dr. Rakesh singh Parashe

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

Swami Vivekananda Govt. P.G. College, Harda (M.P.) has participated/Attended/Presented

a paper entitled... Introducing NEP 2020: Transformation of Indian Education System

Dr. Dheera Shah
Convener

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Shri Pradeep Gour
Chief Patron

Dr. Sangeeta Biley

MAH MUL/03051/2012
ISSN: 2319 9318 | Vidyawarta® Peer-Reviewed International Journal | Oct. To Dec. 2022 Special Issue | 03

मुख्य संरक्षक

श्री दीपक कानूनगो
अध्यक्ष जनभागीदारी समिति

संरक्षक

डॉ. किरण बाला ससूजा
अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, इंदौर संभाग

सह- संरक्षक

डॉ. आर. एस. देवड़ा
प्राचार्य

परामर्श समिति

डॉ. शैल जोशी	डॉ. रविन्द्र बर्वे	डॉ. महेश गुप्ता	डॉ. ललिता बर्गे
विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान	विभागाध्यक्ष अंग्रेजी साहित्य	सह प्राध्यापक वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र

आयोजन समिति

संयोजक	सह-संयोजक	आयोजन सचिव
डॉ. जी.एस.चौहान	डॉ. एस.डी. पाटीदार	प्रो. जे. एस. जिलानी
विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग	विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग	सहायक प्राध्यापक वाणिज्य

सह-सचिव	IQAC Coordinator	World Bank Coordinator
डॉ. जियालाल अकोले	डॉ. वंदना बर्वे	प्रो. ललित कुमार भटानिया
सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र	विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग	विभागाध्यक्ष भौतिक विभाग

सदस्य

डॉ. आर.एस.चौहान (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य)
डॉ. ओ.एस.मेहता (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य)
डॉ. आर.एस.जमरे (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य)
डॉ. संतोष दवाड़े (सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र)
डॉ. सावित्री भगोरे (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य)
डॉ. दीपक ठाकुर (अतिथि विद्वान वाणिज्य)
डॉ. सोनू वर्मा (अतिथि विद्वान वाणिज्य)
श्रीमती दुर्गा पाटीदार (अतिथि विद्वान वाणिज्य)
श्रीमती टीना श्रीवास्तव (तकनीकी सहायक)

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(6

Date of Publication
23-24 Dec. 2022

Vidyawarta™

International Multilingual Research Journal

www. विद्यावार्ता ® .कॉम
YouTube Channel

Vidyawarta is peer reviewed research journal. The review committee & editorial board formed/appointed by Harshwardhan Publication scrutinizes the received research papers and articles. Then the recommended papers and articles are published. The editor or publisher doesn't claim that this is UGC CARE approved journal or recommended by any university. We publish this journal for creating awareness and aptitude regarding educational research and literary criticism.

The Views expressed in the published articles,Research Papers etc. are their writers own. This Journal dose not take any libility regarding appoval/disapproval by any university, institute, academic body and others. The agreement of the Editor, Editorial Board or Publicaton is not necessary. Editors and publishers have the right to convert all texts published in Vidyavarta (e.g. CD / DVD / Video / Audio / Edited book / Abstract Etc. and other formats).

If any judicial matter occurs, the jurisdiction is limited up to Beed (Maharashtra) court only.

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. C...
HARDA (M. P.) - 461 331

Indexed

IMPACT 8.14 IIJIF FACTOR

Govt. of India,
Trade Marks Registry
Regd. No. 2611690

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd. ISO 9001:2015 International Multilingual Research Journal

http://www.printingarea.blogspot.com

(A High Impact Factor, Quarterly, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)
Navjyot / Vol XI / Issue – IV ISSN 2277-8063

CONTENT

Sr. No.	Subject	Title	Author	Page. No.
1	History	Exploration of Tribal Heritage through the study of select tribal festivals	Dr. Sister Celine Crasta A.C. Mrs. Shreya Singh	1-4
2	इतिहास	मध्यप्रदेश में सहरिया जनजाति को विशेष संरक्षण	डॉ. प्रभा भिरोरिया	5-8
3	अर्थशास्त्र	मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों के रहन सहन एवं रीति-रिवाज एक सामान्य अध्ययन	डॉ.निर्मला डोंगरे डॉ.रश्मि सिंह	9-12
4	अर्थशास्त्र	मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय हस्तशिल्प उद्योग	डॉ.खुदैजा परवीन अंसारी	13-17
5	इतिहास	प्रमुख जनजाति आदिवासी आंदोलन और विद्रोह	डॉ. कुन्ती साहू	18-21
6	इतिहास	बिरसा मुण्डा आंदोलन	डॉ.मुकेश कुमार ठाकुर	22-26
7	नृत्य	मध्यप्रदेश के लोक नृत्य एवं कथक नृत्य का तुलनात्मक अध्ययन	नेहा विश्वकर्मा	27-29
8	इतिहास	बैगा जनजाति मे "गोदना" शिल्प एवं परम्पराए	डॉ.राकेश चंदेल	30-32
9	गृहविज्ञान	मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के आदिवासी: एक विस्तृत अध्ययन	डॉ.दीपिका सेठे	33-38
10	इतिहास	जनजातीय महिलाओ की सामाजिक दशा	श्रीमती सोनू जैन	39-42
11	History	Affirmation and Felicitation of Femininity Through Indian Tribal Festivals: An Overview	Dr. Divya Kumar	43-49
12	इतिहास	आजादी की लड़ाई में संथालों की भुमिका	डॉ.सी. पी. गुप्ता, डॉ.धर्मेंद्र कोरी	50-54
13	इतिहास	जनजातीय धार्मिक अनुष्ठान एवं देवलोक की अवधारणा (गोंड जनजाति के विशेष संदर्भ मे)	डॉ.धीरा शाह	55-59
14	इतिहास	श्योपुर जिले की सहरिया जनजाति के देवलोक	डॉ.खेमराज आर्य	60-64
15		आदिवासियों का शोषण पलायन एवं जागरण : डॉ. पद्मा शर्मा की कहानियों के विशेष संदर्भ में	श्रीमती प्रियंका राजपूत	65-67
16	इतिहास	मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा	डॉ.भारती शर्मा	68-71
17	वाणिज्य	मध्यप्रदेश में सहरिया जनजाति : एक विस्तृत अध्ययन	डॉ.दीप्ती अग्रवाल श्रीमती शर्मिला मीणा	72-76

Principal
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

ISSN 2277- 8063 (Print)

Navjyot
नवज्योत

INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

(Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management)

A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal

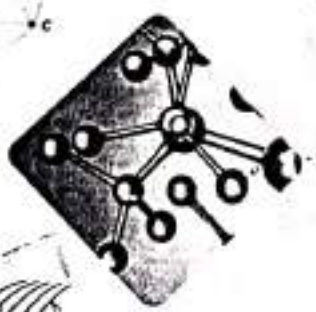

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

www.navjyot.net
E-mail : editornavjyot@gmail.com

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

:Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms... DEEPIKA ... SETHE .....

Professor/Associate Professor/AssistantProfessor/GuestFaculty/ResearchScholar/Student from

SWAMI VIVEKANAND GOVT. P.G. COLLEGE, HARDA .....has participated/Attended/Presented

a paperentitled राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की चुनौतियां एवं संभावनाएं

Dr. Dheera Shah
Convener
World Bank (RUSA)

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Shri Pradeep Gour
Chief Patron
Chairman of Janbhagidari Samiti

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

GOVT. P.G. COLLEGE, KHARGONE (M.P.)

(NAAC Accredited Institute with B++ Grade)

National Seminar

"New Education Policy and Entrepreneurship
Possibilities and Challenges"

(Organised by : Department of Commerce & Economics)
(Sponsored by : Deptt. of Higher Education Govt. of M.P. & MPHEQIP)

(23rd & 24th Dec. 2022)

Certificate

This is to certify that Prof./Dr /Mr./Ms. Dr. Deepika Setha, Assistant Professor

University /College Swami Vivekanand Govt. P.G. College Harda (M.P.) has

attended/ participated/ delivered invited lecture/ chaired a session in **two days National Seminar on**

"New Education Policy and Entrepreneurship- Possibilities and Challenges" & presented

Research paper entitled राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम

His/her active participation is highly appreciated.

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.)

(Dr. G.S. Chouhan)
Convenor

(Prof. J. S. Jilani)
Organising secretary

(Dr. R.S. Devra)
Principal

39) उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में.... ||148
डॉ सुरेश आवासे, डॉ राजू हमीर देसाई

40) राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० का महत्व एवं चुनौतियां – अंतर्वस्तु विश्लेषण ||153
डॉ. आशीष नीलकंठ

41) राष्ट्रीय शिक्षा नीति और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना ||155
प्रो. सोनी सोलंकी

42) नवीन शिक्षा नीति २०२० में स्वरोजगार के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भूमिका ||159
डॉ. जी.एस. चौहान, कु. अनिता किराड़े

43) राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की चुनौतियाँ एवं संभावनाएं ||162
डॉ. आर. एस. देवड़ा, ललीता नरगांवे

44) राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की चुनौतियां एवं संभावनाए ||166
डॉ. अनिल जी सोनवणे, डॉ. रमाकांत ए चौधरी

45) नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० का उच्च शिक्षा में सकारात्मक प्रयासों की समीक्षा ||172
डॉ. सेवक चौहान, डॉ. कैलाश रॉय

46) राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की चुनौतियाँ एवं संभावनाएं ||176
डॉ. दीपक कुमार ठाकुर, डॉ. सोनु वर्मा

47) नई शिक्षा नीति २०२० का उच्च शिक्षा पर प्रभाव ||179
डॉ. कुशलसिंह बघेल

48) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० अवसर, महत्व एवं चुनौतियाँ ||182
डॉ. गोरा मुवेल

49) २१ वी सदी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की प्रासंगिकता ||187
डॉ. दीपिका सेठे

50) राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के सुधारा ||191
संतोष कुमार दवाडे

51) 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०' की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ ||194
श्री सुभाष सोलंकी

ISSN 2277- 8063 (Print)
September - 2022
Vol. XI/ Issue. III / 2022
Impact Factor – 7.958

Navjyot
नवज्योत

International Interdisciplinary Research Journal
Science, Humanities, Social Sciences,
Languages, Commerce & Management

(A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)

Indexed by:

Scientific Journal Impact Factor
TOGETHER WE REACH THE GOAL

Chief Editor
Prof. Dr. Ravindra P. Bhanage
Dept. of Political Science.
Shivaji University,
Kolhapur.

Editor
Dr. Shalini Gupta
Dept. of History,
Govt, Ganesh Shankar Vidhyarthi College,
Mungawali, Ashoknagar M.P.

- Published by-
HOUSA Publication

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

MAH/MUL/ 03051/2012 ISSN :2319 9318

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन (म.प्र

(NAAC द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित संस्था, CGPA 2.81)
E-mail: hepprekhr@mp.gov.in , Phone No: +91-7282-241562
Website: http://govtpgcollegekhargone.org

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

दिनांक- 23 एवं 24 दिसम्बर 2022

// विषय //

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं उद्यमशीलता-
संभावनाएं एवं चुनौतियाँ"

प्राचार्य
डॉ. आर.एस. देवड़ा

संयोजक
डॉ. जी.एस. चौहान

प्रायोजक
म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग
विश्व बैंक गुणवत्ता उन्नयन परियोजना

आयोजक
वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन (म.प्र.)

संपादक
प्रो. जेनुलउद्दीन शेख जिलानी
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
KHARGONE (M. Pr.) 451 331

"Printed by: Harshwardhan Publication Pvt.Ltd. Published by Ghodke Archana Rajendra & Printed & published at Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.,At.Post. Limbaganesh Dist,Beed -431122 (Maharashtra) and Editor Dr. Gholap Bapu Ganpat.

Reg.No.U74120 MH2013 PTC 251205
Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At.Post.Limbaganesh,Tq.Dist.Beed
Pin-431126 (Maharashtra) Cell:07588057695,09850203295
harshwardhanpubli@gmail.com, vidyawarta@gmail.com
All Types Educational & Reference Book Publisher & Distributors / www.vidyawarta.com

ISSN 2277- 8063 (Print)
September - 2022
Vol. XI/ Issue. III / 2022
Impact Factor – 7.958

Navjyot
नवज्योत

International Interdisciplinary Research Journal
Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management

(A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)

Indexed by:

Scientific Journal Impact Factor
TOGETHER WE REACH THE GOAL

IIJIF iiJS Cosmos

Chief Editor
Prof. Dr. Ravindra P. Bhanage
Dept. of Political Science,
Shivaji University,
Kolhapur.

Editor
Dr. Shalini Gupta
Dept. of History,
Govt, Ganesh Shankar Vidhyarthi College,
Mungawali, Ashoknagar M.P.

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

- Published by-
HOUSA Publication

आज़ादी का अमृत महोत्सव

DEPARTMENT OF ENGLISH LANGUAGE AND LITERATURE
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT, 763004

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Rakesh Singh Paraste participated in the three day International Conference on "Imagining and Translating the 'Other': Engaging with Contemporary Indian Literature", organized by the Department of English Language and Literature, Central University of Odisha, Koraput, during 20-22 March 2023, and chaired a session/presented a paper on ______

Principal, Govt. Arts & Comm. P. G. College HARDA (M. P.)

Prof. Chakradhar Tripathi Vice Chancellor Central University Odisha, Koraput	Mr. Sanjeet Das Head & Convener DELL, CUO	Chandrahas Choudhury Plenary Speaker Novelist & Literary Critic	Prof. Alessandro Vescovi Plenary Speaker State University of Milan, Italy	Prof Himansu S. Mohapatra Director Visiting Professor

DEPARTMENT OF
ENGLISH LANGUAGE AND LITERATURE
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT, 763004

आज़ादी का अमृत महोत्सव

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Rakesh Singh Paraste participated in the three day International Conference on "Imagining and Translating the 'Other': Engaging with Contemporary Indian Literature", organized by the Department of English Language and Literature, Central University of Odisha, Koraput, during 20-22 March 2023, and chaired a session/presented a paper on Tracing the Identity and Suppressed Voices of Women through Postcolonial Indian Women Writings

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
KORAPUT (M. P.)

Prof. Chakradhar Tripathi
Vice Chancellor
Central University Odisha, Koraput

Mr. Sanjeet Das
Head & Convener
DELL, CUO

Chandrahas Choudhury
Plenary Speaker
Novelist & Literary Critic

Prof. Alessandro Vescovi
Plenary Speaker
State University of Milan, Italy

Prof Himansu S. Mohapatra
Director
Visiting Professor

63

Mahamaya Govt. Degree, College Mahona

Lucknow (U.P.) India

Affiliated to University of Lucknow (U.P.)

National Seminar

on

Role of NEP -2020 in the Transformation of Higher Education

(Sponsored By: Department of Higher Education, U.P.)

19 March 2023

Certificate

This is to certify that

Prof./Dr./Mr./Ms. RAKESH SINGH PARASTE

Designation... ASSISTANT PROFESSOR

Department.... ENGLISH

Institution. SWAMI VIVEKANANDA GOVT. P.G. COLLEGE

HARDA (M.P.)

participated/presented a paper titled "NEP:2020: TRANSFORMATION OF INDIAN EDUCATION SYSTEM INTO HOLISTIC DEVELOPMENT & GLOBAL KNOWLEDGE SUPERPOWER NATION,,

in the national seminar.

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Prof. Binay K. Singh
Convener

Dr. Surendra Kumar
Organizing Secretary

Prof. Shahla N. Qidwai
Principal/Patron

(19)

International Seminar

On

SOCIAL AND CULTURAL HERITAGE OF RAMAYAN

July 15-16, 2022

Organized by

Department of English and Foreign Languages

(Faculty of Humanities and Languages)

Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak (M.P.)

Sponsored by

Indian Council of Social Science Research, New Delhi

CERTIFICATE

This is to certify that Dr. /Mr. /Ms. ...Nirmala ...... Dongre., Harda College............... has participated in a **Two- Day International Seminar** on **'Social and Cultural Heritage of Ramayan'** and delivered a key-note Address/ Plenary Talk/ presented a Research Paper entitled ..रामायण.....का.................. ....मानव....जीवन....में....महत्व...

आचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला–हरदा (म.प्र.)

Prof. Krishna Singh
Co- Convenor
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Prof. Abhilasha
Convenor & Dean
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Prof. Shri Prakash Mani Tripathi
Patron
Hon'ble Vice-Chancellor
IGNTU, Amarkantak

हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला - दमोह (म0प्र0) भा

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व"

प्रायोजक - विश्व बैंक परियोजना, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश

क्रमांक- 10/2022/102

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/डॉ. निर्मला डोंगरे संस्था स्वामी विवेकानंद शास. स्ना. महा., हरदा ने शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला- दमोह के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक १४-१५ अक्टूबर, २०२२ को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व" में अध्यक्षता/ बीज-वक्ता/ सम्मानित-वक्ता/ प्रतिभागी/ संचालक के रूप में सहभागिता की एवं विषय राष्ट्रभाषा के क्षेत्र में अनुवाद विज्ञान की सार्थकता पर पोस्टर/शोध-पत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला हरदा (म.प्र.)

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह	**डॉ. सुधीर साहू**	**श्रीमती प्रियंका राजपूत**	**डॉ. संध्या पिम्पलापुरे**
संयोजक	आयोजन सचिव	विभागाध्यक्ष	प्राचार्य

आजादी का अमृत महोत्सव

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

:Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. NIRMALA DONGRE

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

SWAMI VIVEKANAND GOVT P.G. COLLEGE, HARDA has participated/Attended/Presented

a paper entitled ज्ञान अर्थव्यवस्था के निर्माण में राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की भूमिका

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला-हरदा (म.प्र.)

Mahamaya Govt Degree College Mahona

National Seminar

on

Role of NEP 2020 in the Transformation of Higher Education

19 March 2023

Certificate

This is to certify that

Prof./Dr./Mr./Ms. NIRMALA DONGRE

Designation: ASSISTANT PROFESSOR

Department: ECONOMICS

Institution: SWAMI VIVEKANANDA GOVT. P.G. COLLEGE HARDA (M.P.)

participated/presented a paper titled "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में ... के अवसर"

in the national seminar

स्वामी विवेकानन्द शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला–हरदा (म.प्र.)

Binoy K. Singh
Convener

Dr. Sudhir Kumar
Organising Secretary

Prof. [illegible]
Principal/Patron

(A High Impact Factor, Quarterly, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)

NAVJYOT / Vol. XI / Issue – III ISSN 2277-8063

मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियो के रहन सहन एवं रीती–रिवाज एक सामान्य अध्ययन

1.डॉ निर्मला डोंगरे 2 डॉ. रश्मि सिंह

सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा मध्यप्रदेश

Email –1- nirmaladongre02@gmail-com 2-rashmi9229@gmail-com

संक्षेपिका

मध्यप्रदेश मे कुल 47 जनजातियां पाई जाती है। प्रस्तुत शोध अध्ययन मे मध्यप्रदेश की प्रमुख पांच जनजाति जिसमे गोंड ,भील ,कोरकू , बैगा, तथा भारिया जनजाति के सामान्य रहन सहन तथा उनके रीती –रिवाजो के बारे मे जानने का प्रयास किया गया है. ये जनजाति दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रो मे निवास करती है. तथा इनकी जीविका उपार्जन का प्रमुख साधन कृषि एवं वनोपज है। सामान्यतः सभी जनजातियो का रहन सहन एवं रीति रिवाज लगभग समान है इन जनजातियो की प्रमुख विशेषता यह है की यह समूह मे रहते है एवं संयुक्त परिवार प्रणाली को महत्व देते है।

मुख्य बिन्दु– जनजाति. गोंड ,भील ,कोरकू,बैगा, भारिया , रहन सहन एवं रीती– रिवाज

प्रस्तावना –

जनजाति अथवा आदिवासी समाज ऐसा मानव समूह है ,जो विकास के सोपान से सबसे निचले स्तर मे है। शब्दकोश के अनुसार जनजाति एक सामाजिक समूह है ,जो प्रायः निश्चित भूभाग मे निवास करती है। जिसकी अपनी भाषा ,बोली ,सभ्यता तथा सामाजिक संगठन होता है। सामान्यतः यह माना जाता है ,की जनजाति लोग समाज की मुख्या धरा से पृथक जंगलो मे निवास करते है जनजाति मे भी अति पिछड़ी जनजाति है जिनमें साक्षरता का निम्न स्तर पाया जाता है।, तथा खेती की पुरातन पद्धति का प्रयोग करते है। साथ ही दूरस्थ एवं दुर्गामी क्षेत्रो मे निवास करते है इन जनजातियो का संख्या प्रायः स्थिर है या घटती जा रही है । मध्यप्रदेश मे कुल 47 जनजातिय पाई जाती है। मध्यप्रदेश मे सर्वाधिक जनजाति संख्या अलीराजपुर जिले मे है तथा सबसे कम भिंड जिले मे पाई जाती है। जनजाति वह सामाजिक समुदाय है, जो राज्य के विकास के पूर्व अस्तित्व मे था, या जो अब भी राज्य से बाहर है। जनजाति वास्तव मे भारत के आदिवासियो के लिए इस्तेमाल होने वाला एक संवैधानिक पद है। भारत के संविधान मे अनुसूचित जनजाति पद का प्रयोग हुआ है। और इसके लिए विशेष प्रावधान लागू किये गए है।प्रस्तुत शोध अध्ययन मे मध्यप्रदेश की 5 प्रमुख जनजातियो जिसमें गोंड ,भील ,कोरकू ,भारिया तथा बैगा जनजातियो के सामान्य रहन सहन एवं रीती रिवाजो का सूक्ष्म अध्ययन किया गया ।

उद्देश्य –

1 मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियो का अध्ययन करना ।

2 जनजातियो के रहन सहन एवं रीती– रिवाजो का अध्ययन करना

3 जनजाति के पिछड़े होने के कारणों का अध्ययन करना ।

गोंड जनजाति – गोंड मध्यप्रदेश की एक प्रमुख आदिम जनजाति है जिसका संबंध प्रकक द्रविड समूह से माना जाता है यह जनसंख्या की दृष्टि से भारत की सबसे बड़ी जनजाति है गोंड जनजाति मध्यप्रदेश के सभी जिलो मे फैली हुई है, लेकिन नर्मदा के दोनो ओर विंध्य और सतपुडा के पहाड़ी क्षेत्रों मे इनका अधिक संकेन्द्रण है। 2011 की जनगणना के अनुसार मध्यप्रदेश मे इनकी जनसंख्या 50.93 लाख है। सर्वाधिक जनसंख्या 6.2 लाख छिंदवाड़ा मे है ।

गोंड तेलगू भाषा के शब्द कोण्ड का अपभ्रंश माना जाता है । तेलगू मे कोण्ड शब्द का अर्थ वन आच्छादित पर्वत है । इस प्रकार गोंडो को पर्वतवासी मनुष्य कहा जाता है । अलग –अलग अंचलो मे रहने वाले गोंड कई उपशाखाओ के नाम से जाने जाते है । तद भी इनके रहन –सहन मे बहुत फर्क होता है । मंडला मे गोंड बडी किसानी के साथ जुड़े होने के कारण राजगोंड कहलाते है । गोंड राजाओ तथा बड़ादेवकी गाथा गाने वाले परधान गोंड , एक जगह से दूसरी जगह डेरा डालकर नाचने –गाने वाले भिम्मा ,धोबा ,कोडला, भूता ,लोहा गलाने वाले अगरिया कहलाते है।

शारीरिक विशेषता –समगोंड जनजाति के लोगो का रंग काला ,सिर गोल तथा चेहरे पर कम बाल होते है इनका परिवार पितृसत्तात्मक होता है। स्त्रियों को आभूषण प्रिय होते है। तथा इनमें गोदने का प्रचलन पाया जाता है।

...मासिक शोध पत्रिका
...7521, Impact Factor - 6.375
...III, Issue - XII, October - 2022
MSME Reg. No. UDYAM-MP-49-0005023
"AKSHARWARTA" Monthly International Refereed Journal

17

मध्यप्रदेश की कोरकू जनजाति का सामान्य अध्ययन

डॉ. रीम सिंह
डॉ. निर्मला डोंगरे

1. सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा
2. सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा

सारांश - मध्य प्रदेश में विभिन्न जातियां पाई जाती है जिनमें से [illegible] जनसंख्या [illegible] द्वितीय स्थान भील जनजाति का है जो कुल [illegible] जनसंख्या का 75 प्रतिशत है तृतीय स्थान पर [illegible] जनजाति [illegible] को मध्य प्रदेश की तीसरी बड़ी जनजाति समूह माना जाता है [illegible] की प्रमुख जनजाति कोरकू [illegible] जनजाति है। मध्यप्रदेश में कोरकू [illegible] की कुल जनसंख्या 7.31 लाख है।

प्रस्तुत शोध पत्र में मध्य प्रदेश की कोरकू जनजाति की सामाजिक [illegible] रहन-सहन एवं रीति-रिवाजों का [illegible] परिप्रेक्ष्य में अध्ययन [illegible] गया है।

प्रस्तावना - अनुसूचित जनजाति भारतीय संदर्भ में एक विशिष्ट [illegible] को [illegible] है। भारतीय समाज के प्रागैतिहासिक काल [illegible] आज तक [illegible] समूहों एवं जनजातियों का [illegible] होता रहा [illegible] वैदिक एवं उत्तरवैदिक काल तथा महाकाव्य काल में जनजातियों के नाम [illegible] है।

आदिवासी का अर्थ - आदिवासी [illegible] सामान्य भौगोलिक [illegible] सामान्य नाम की [illegible] से जुड़े समूह को कहा जाता है, जिसके [illegible] है।

मध्य प्रदेश में विभिन्न जनजातियां पाई जाती है जिनमें से [illegible] जनजाति की है [illegible] द्वितीय स्थान भील जनजाति का [illegible] कुल आदिवासी जनसंख्या का 75 प्रतिशत है तृतीय स्थान पर [illegible] समूह [illegible] मध्य प्रदेश की तीसरी बड़ी जनजाति समूह माना जाता है [illegible] मध्यप्रदेश में कोरकू [illegible] की कुल जनसंख्या 7.31 लाख है। [illegible] कोरकू [illegible] की उपजाति [illegible] आदि कोरकू जनजाति की उपजाति है।

[illegible]

मध्यप्रदेश की कोरकू जनजाति का अध्ययन करना।
[illegible] जनजाति के रहन सहन एवं रीति-रिवाजों का अध्ययन करना।
कोरकू जनजाति की समस्याओं [illegible] लगाना।
कोरकू जनजाति के पिछड़े होने के कारणों का पता लगाना।
[illegible] सुझाव प्रस्तुत करना।

[illegible] का क्षेत्र - हरदा जिले को अध्ययन का क्षेत्र [illegible] चुना गया [illegible] जनसंख्या 14.1 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित [illegible] 8.9 प्रतिशत है। प्रस्तुत अध्ययन मध्य प्रदेश के हरदा जिले के कोरकू [illegible] पर आधारित है।

कोरकू जनजाति का परिचय - कोरकू जनजाति मध्य प्रदेश की [illegible] जनजाति है। इस जाति के लोग [illegible] और [illegible] के [illegible] जिले में रहते हैं। कोरकू [illegible] जिसका अर्थ [illegible] है [illegible] कोरकू [illegible] भी [illegible] है।

[illegible] - [illegible] कोरकू आदिवासी [illegible] कोरकू [illegible] कहलाते हैं।

रहन सहन - कोरकू जनजाति [illegible] है पुरुष [illegible] पहनता है [illegible] कोरकू स्त्रियां चांदी पीतल कांसा आदि धातुओं के आभूषण एवं मोतियों की माला पहनती है कोरकू [illegible] है [illegible] है।

सामाजिक [illegible] - कोरकू समाज [illegible] समाज है [illegible] है जो [illegible] कोरकू [illegible] है। [illegible] जनजाति में [illegible] है।

[illegible] - [illegible] जनजाति अपनी सुरक्षा [illegible] कोरकू जनजाति [illegible] किया जाता है [illegible] आदिवासी [illegible] प्रकृति से जुड़ [illegible] निर्वाह करते हैं।

आदिवासी संस्कृति एवं धार्मिक जीवन :-जनजाति में धार्मिक [illegible] पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में [illegible] है इस जनजाति में [illegible] धार्मिक शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है यह

प्राचार्य
स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला-हरदा (म.प्र.)

Mahamaya Govt. Degree College Mahona

Lucknow (U.P.) India

National Seminar

on

Role of NEP-2020 in the Transformation of Higher Education

(Sponsored By: Department of Higher Education, U.P.)

19 March 2023

Certificate

This is to certify that

Prof./Dr./Mr./Ms. ..NIRMALA DONGRE..........

Designation... ASSISTANT. PROFESSOR..........

Department... ECONOMICS..........

Institution... SWAMI VIVEKANANDA. GOVT. P.G. COLLEGE......

..........HARDA (M.P.)..........

participated/presented a paper titled "...राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत शोध के अवसर"..........

in the national seminar.

Prof. Binay K. Singh
Convener

Dr. Surendra Kumar
Organizing Secretary

Prof. Shahla N. Qidwai
Principal/Patron

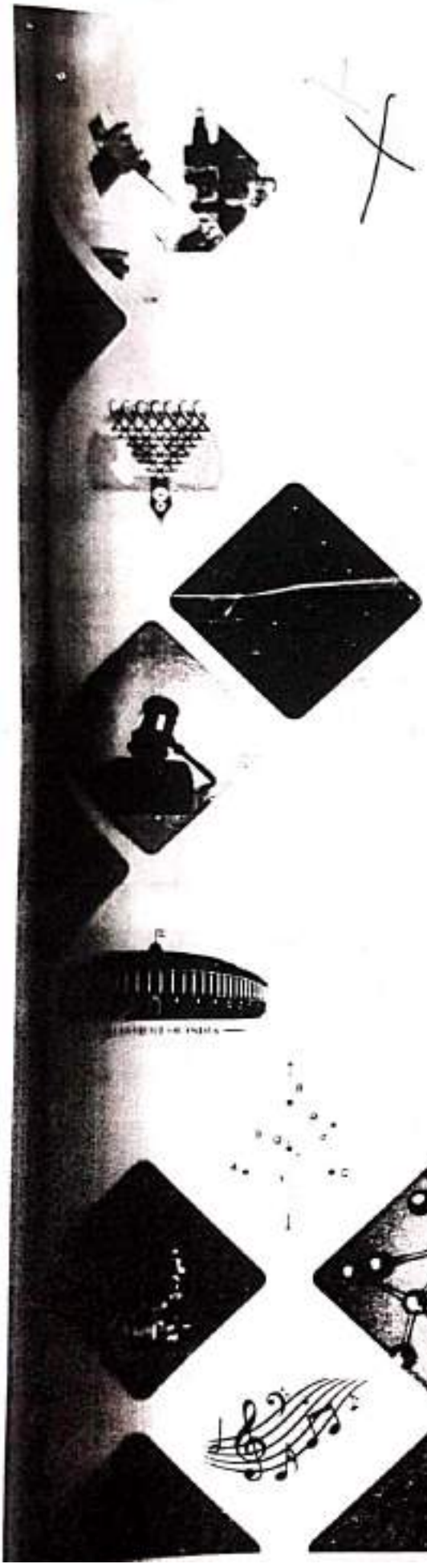

18

ISSN 2277- 8063 (Print)

Navjyot

नवज्योत

INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

(Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management)

A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal

Principal,
Govt. Arts & Comm P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

www.navjyot.net
E-mail : editornavjyot@gmail.com

ISSN 2277- 8063 (Print)
September - 2022
Vol. XI/ Issue. III / 2022
Impact Factor – 7.958

Navjyot
नवज्योत

International Interdisciplinary Research Journal
Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management

(A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal)

Indexed by:

Scientific Journal Impact Factor
TOGETHER WE REACH THE GOAL

Cosmos

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Chief Editor
Prof. Dr. Ravindra P. Bhanage
Dept. of Political Science,
Shivaji University,
Kolhapur.

Editor
Dr. Shalini Gupta
Dept. of History,
Govt, Ganesh Shankar Vidhyarthi College,
Mungawali, Ashoknagar M.P.

- Published by-
HOUSA Publication

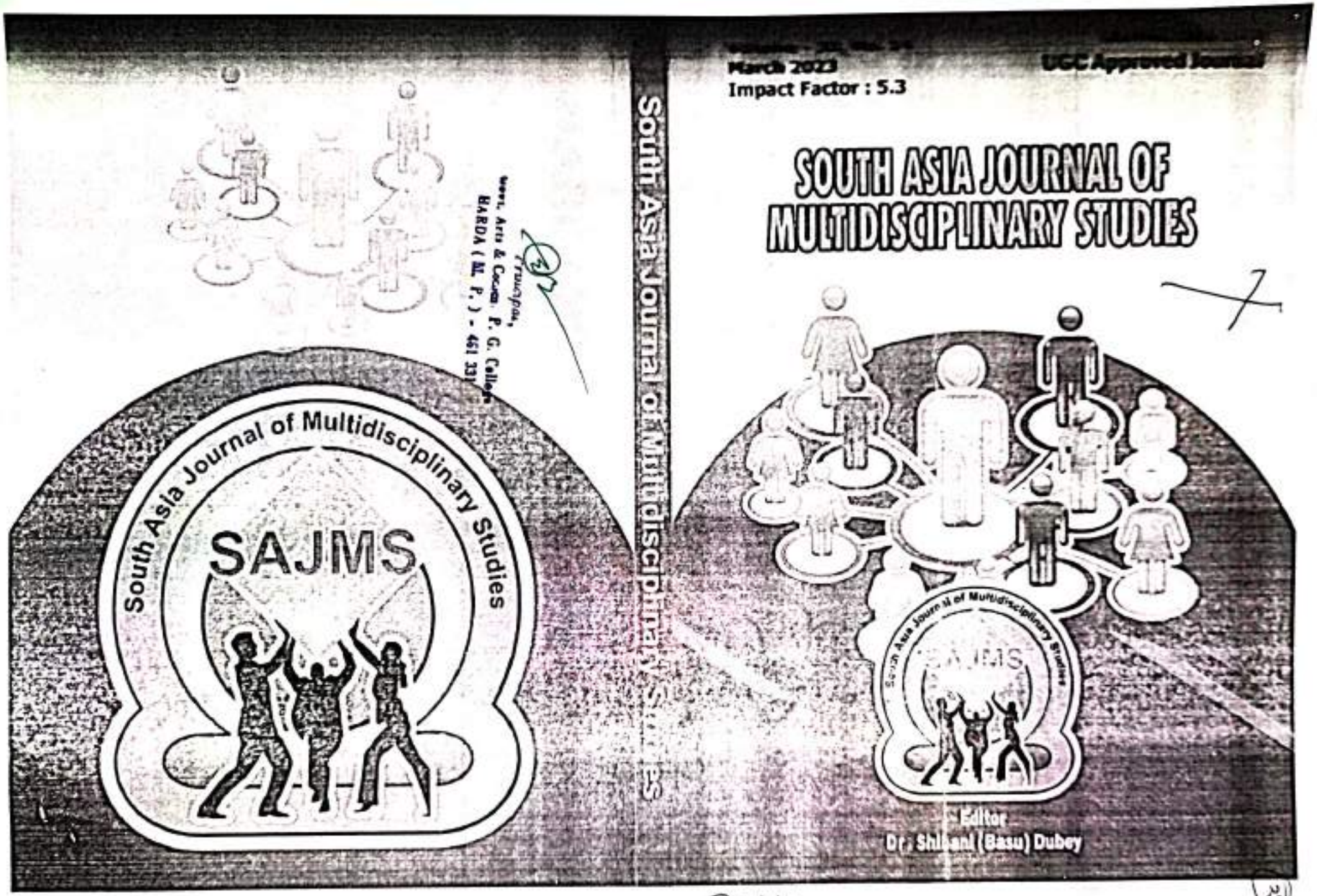

March 2023
Impact Factor : 5.3
UGC Approved Journal
SOUTH ASIA JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY STUDIES
South Asia Journal of Multidisciplinary Studies
SAJMS
Editor
Dr. Shibani (Basu) Dubey
South Asia Journal of Multidisciplinary Studies
South Asia Journal of Multidisciplinary Studies
SAJMS
Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(26)

SAJMS

VOLUME-30

MARCH 2023, VOL. 30, NO. 14

Mailing Address

Business Manager 4830/24, Ansari Road Darya Ganj

New Delhi-110002

India

Principal Contact

Dr. Anil Mehra

Chief Editor

Regional Office, South Asia Management Association 4830/24, Ansari Road

Darya Ganj New Delhi-110002 India

Phone: 9644794563Email: chiefeditorsajms@gmail.com

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

(2)

Shri Rajiv Gandhi Government College, Banda, (Sagar), MP- India

Affiliated to MCBU, Chhatarpur, MP - India - 470335

Accredited by NAAC "B" Grade

One week online Faculty Development Programme on

"NAAC Accreditation Framework and Documentation"

Organized by Faculty of Science

Under the Aegis of IQAC and MPHEQIP Bhopal, MP.

E-Certificate

This is to certify that Mrs./Mr./Dr. Dr C P Gupta , Assistant Professor in History from Swami Vivekanand Govt PG College Harda MP has successfully participated in one week online Faculty Development Programme on "NAAC Accreditation Framework and Documentation" held from 01-03-2023 to 07-03-2023 organized by the Government College Banda Sagar MP

Coordinator	Convenor	Organizing Secretary	Patron/Principal
Dr. R. K. Nagarch	Mr. Vivek Dwivedi	Dr. Sweetee Mishra	Dr. B. D. Ahirwar

Made for free with Certify'em

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Dr. C. P. Gupta
Asst Pro History

(3)

RCVP Noronha Academy of Administration and Management, Madhya Pradesh, Bhopal
(ISO 9001:2015)

Certificate

This is to certify that Mrs./Mr./Ms./Dr. DR C P GUPTA SWAMI VIVEKANAND GOVT PG COLLEGE HARDA

has successfully completed 32 Hours Teachers Training Program through LMS. This course contains following modules:-

1. Behavioural Skills
2. Computer Skills
3. Entrepreneur Skills
4. Language Proficiency Skills

In perspective of Atmanirbhar Madhya Pradesh and NEP 2020, this training course has been sponsored by SVCGS, Higher Education Department, MP.

(Pramod Chaturvedi)
Course Director

(Dr. Umesh Kumar Singh)
Director, SVCG

(Karmveer Sharma)
Commissioner, HED

(Mujeebur Rehman Khan)
OSD cum Director

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
Harda (M. P.) - 461 331

Dr. C. P. Gupta
Asst. Prof. History

CamScanner

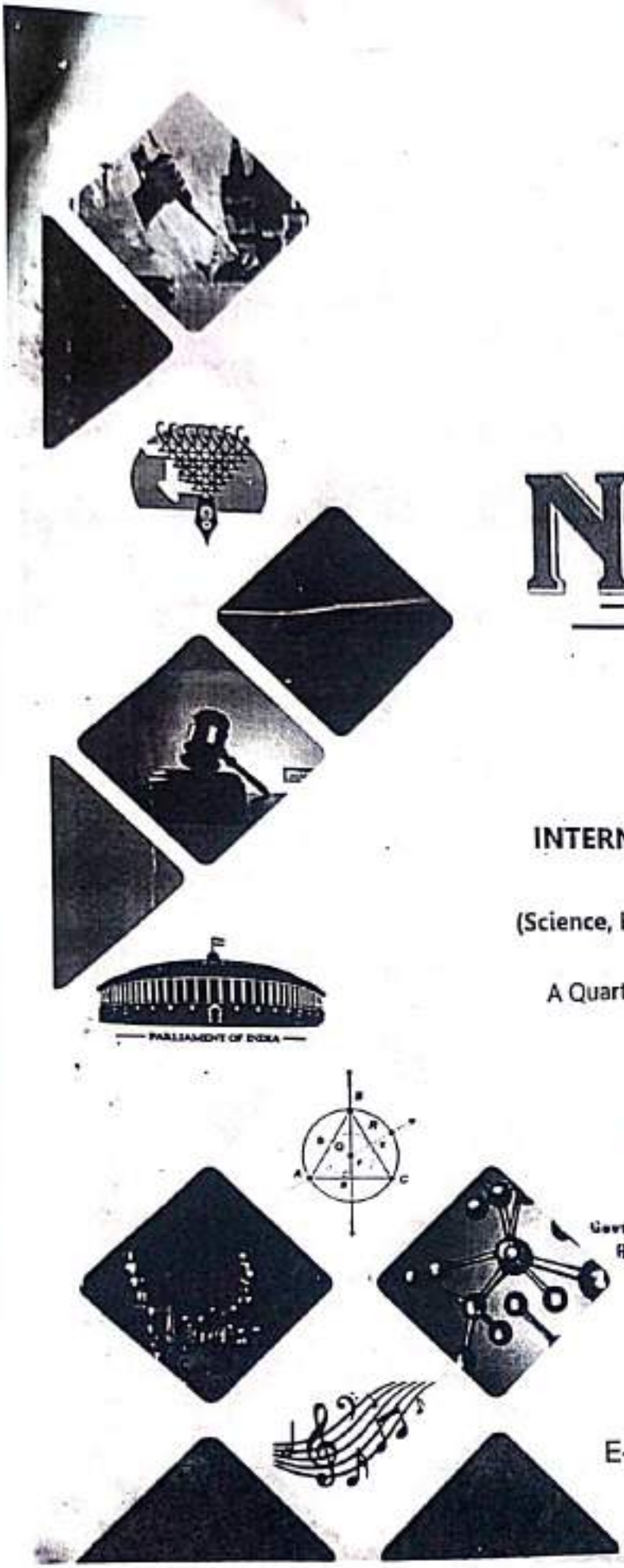

ISSN 2277- 8063 (Print)

Navjyot
नवज्योत

INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

(Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management)

A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Dr. Dipti Agrawal

www.navjyot.net
E-mail : editornavjyot@gmail.com

CamScanner

ISSN 2277- 8063 (Print)

Navjyot
नवज्योत

INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

(Science, Humanities, Social Sciences, Languages, Commerce & Management)

A Quarterly, High Impact Factor, Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal

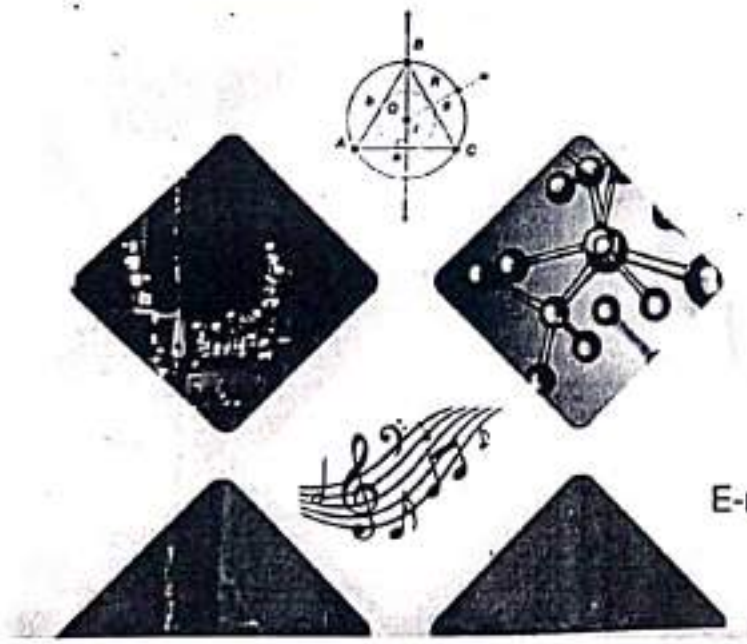

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

www.navjyot.net
E-mail : editornavjyot@gmail.com

CamScanner

ISBN No.978-81-928673-0-1

ACROPOLIS
Enlightening Wisdom

11th International Conference on
Technological Innovation In Business & Entrepreneurial Practices For Sustainability In Global Era

Editors
Rajeshwari Gwal
Payal Sharma
Tarun Kushwaha

ACROPOLIS FACULTY OF MANAGEMENT & RESEARCH

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

:Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. Durgesh Telee

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

Swami Vivekanand Govt. P.G. college Harda ...has participated/Attended/Presented

a paper entitled.. Inclusion of Tribal.

Dr. Dheera Shah
Convener

Shri Pradeep Gour
Chief Patron

Principal, Govt. Arts & Comm. P. G. College HARDA (M. P.) - 461 331

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला - दमोह (म0प्र0) भा

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व"

प्रायोजक - विश्व बैंक परियोजना, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश

क्रमांक- 10/2022/I.B.Z

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/डॉ. शर्मिला मीना

संस्था स्वामी विवेकानंद शास. स्ना. महा., हरदा ने शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला- दमोह के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक - १४-१५ अक्टूबर, २०२२ को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व" में अध्यक्षता/ बीज-वक्ता/ सारस्वत-वक्ता/ प्रतिभागी/ संचालक के रूप में सहभागिता की एवं विषय वाणिज्य एवं व्यापार में मातृभाषा का बढ़ता प्रयोग पर पोस्टर/शोध-पत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

Principal
Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह	श्री सुधीर साहू	श्रीमती प्रियंका राजपूत	डॉ. संध्या पिम्पलापुरे
संयोजक	आयोजन सचिव	विभागाध्यक्ष	प्राचार्य

International Seminar

On

SOCIAL AND CULTURAL HERITAGE OF RAMAYAN

July 15-16, 2022

Organized by

Department of English and Foreign Languages

(Faculty of Humanities and Languages)

Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak (M.P.)

Sponsored by

Indian Council of Social Science Research, New Delhi

CERTIFICATE

This is to certify that Dr. /Mr. /Ms. ....धर्मेन्द्र कुमार कोरी, हरदा कॉलेज............ has participated in a Two- Day **International Seminar** on **'Social and Cultural Heritage of Ramayan'** and delivered a key-note Address/ Plenary Talk/ presented a Research Paper entitled ....निराला कृत राम की शक्तिपूजा में राम का व्यक्तित्व........

Principal, Arts & Comm. P. G. College HARDA (M. P.) - 461 331

Prof. Krishna Singh
Co- Convenor
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Prof. Abhilasha
Convenor & Dean
Faculty of Humanities and Languages
IGNTU, Amarkantak

Prof. Shri Prakash Mani Tripathi
Patron
Hon'ble Vice-Chancellor
IGNTU, Amarkantak

डॉ धर्मेन्द्र कु. कोरी

हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला - दमोह (म0प्र0) भारत

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व"

प्रायोजक - विश्व बैंक परियोजना, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश

क्रमांक- 10/2022/..183

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/डॉ. धर्मेन्द्र कोरी

संस्था स्वामी विवेकानंद शास. स्ना. महा., हरदा ने शासकीय महाविद्यालय, पथरिया, जिला- दमोह के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक - १४-१५ अक्टूबर, २०२२ को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान परम्परा में मातृभाषा का महत्त्व" में अध्यक्षता/ बीज-वक्ता/ सारस्वत-वक्ता/ प्रतिभागी/ संचालक के रूप में सहभागिता की एवं विषय लोकसाहित्य के विकास में मातृभाषा की भूमिका पर पोस्टर/शोध-पत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

Principal, Govt. Arts & Com. P. G. College HARDA (M. P.)

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह	श्री सुधीर साहू	श्रीमती प्रियंका राजपूत	डॉ. संध्या पिम्पलापुरे
संयोजक	आयोजन सचिव	विभागाध्यक्ष	प्राचार्य

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar
:Sponsored by:
World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. Dr. Dharmendra Kumar Kori

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/GuestFaculty/ResearchScholar/Student from Swami Vivekanand Govt. P.G. College, Harda has participated/Attended/Presented a paper entitled मातृभाषा संवर्धन के प्रयास एवं NEP-2020

Dr. Dheera Shah
Convener
World Bank (RUSA)

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Shri Pradeep Gour
Chief Patron
Chairman of Janbhagidari Samiti

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

52

Mahamaya Govt. Degree, College Mahona

Lucknow (U.P.) India

Affiliated to University of Lucknow (U.P.)

National Seminar

on

Role of NEP -2020 in the Transformation of Higher Education

(Sponsored By: Department of Higher Education, U.P.)

19 March 2023

Certificate

This is to certify that

Prof./Dr./Mr./Ms. ...DHARMENDRA KORI.....

Designation...ASSISTANT PROFESSOR.....

Department....HINDI.....

Institution...SWAMI VIVEKANANDA GOVT. P.G. COLLEGE.....

.....HARDA (M.P.).....

participated/presented a paper titled "...शोध और नवाचार के उन्नयन में राष्ट्रीय शोध फाउण्डेशन की भूमिका.....

in the national seminar.

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Prof. Binay K. Singh
Convener

Dr. Surendra Kumar
Organizing Secretary

Prof. Shahla N. Qidwai
Principal/Patron

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar

:Sponsored by:

World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms. DHEERA SHAH

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

SWAMI VIVEKANAND GOVT. P.G. COLLEGE, HARDA has participated/Attended/Presented

a paper entitled नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० एक समग्र मूल्यांकन

Dr. Dheera Shah
Convener
World Bank (RUSA)

Principal,
Govt. Arts & Comm. P. G. College
HARDA (M. P.) - 461 331

Shri Pradeep Gour
Chief Patron
Chairman of Janbhagidari Samiti

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

RANI DURGAWATI GOVT. P.G. COLLEGE MANDLA (M.P.)

(Accredited B+ Grade by NAAC)

National Seminar on

Role of National Education Policy 2020 in Self Employment and Skill Enhancement: Opportunities & Challenges

17th & 18th March 2023

CERTIFICATE

This is to certify that डॉ. हीरा शाह

Designation सहायक प्राध्यापक Organisation स्वामी विवेकानंद शास. स्नातको. महा. हरदा (म.प्र.)

has participated/presented paper titled "नई शिक्षा नीति 2020 में कौशल विकास"

in the Two-Day National Seminar on **'Role of National Education Policy 2020 in Self Employment and Skill Enhancement: Opportunities & Challenges'**, held on 17th & 18th March 2023, organised by Department of Commerce, in Collaboration with Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and sponsored by MPHEQIP under World Bank Project.

PRINCIPAL Prof. Rajesh Chourasia	CONVENOR Prof. Anil Gupta	SECRETARY Prof. T. P. Mishra

Principal, Govt. Arts & Comm. College HARDA (M. P.)

(15)

अक्षर वार्ता

Vol. ... Issue No.
(December, 2022)

कला-मानविकी-समाजविज्ञान-जनसंचार-वाणिज्य-विज्ञान-वैचारिकी की अंतरराष्ट्रीय रेफर्ड एवं पियर रिव्यूड शोध पत्रिका

CS

Dr Dipti Agrawal

Swami Vivekananda
Govt. P.G. College, Harda (MP)

One Day National Seminar
:Sponsored by:
World Bank Project supported with MPHEQIP

National Education Policy (NEP)-2020: Various Aspects

28TH FEBRUARY, 2023

Certificate

This is to certify that Dr/Prof/Mr/Ms... Dr. Dipti Agrawal

Professor/Associate Professor/Assistant Professor/Guest Faculty/Research Scholar/Student from

Shi Atal Bihari Vajpayee Govt. Arts & com. College, Indore has participated/Attended/Presented

a paper entitled राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: आत्मनिर्भर भारत का एक मंत्र

Dr. Sneera Shah
Convener
World Bank (RUSA)

Principal,
Govt. Arts & Com. P. G. College
HARDA (M. P.)

Shri Pradeep Gour
Chief Patron
Chairman of Janbhagidari Samiti

Dr. Sangeeta Biley
Patron/Principal

Dr. Dipti Agrawal